

# Amar Ujala

## 29-3-2022

## डॉ. रेनू सिंह एफआरआई की नई निदेशक, संभाली जिम्मेदारी

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। मध्य प्रदेश कैडर की भारतीय वन सेवा की वरिष्ठ अधिकारी डॉ. रेनू सिंह को वन अनुसंधान संस्थान का नया निदेशक बनाया गया है। केंद्रीय वन, पर्यावरण, एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से आदेश जारी होने के साथ ही नई निदेशक ने सोमवार को विधिवत कार्यभार भी संभाल लिया। आईसीएफआरआई के महानिदेशक अरुण सिंह रावत ने नवनियुक्त निदेशक को कार्यभार सौंपा।

नई निदेशक डॉ. रेनू सिंह 1990 बैच की भारतीय वन सेवा की मध्य प्रदेश कैडर की अधिकारी हैं। मेरठ विवि से वनस्पति विज्ञान और वानिकी में स्नातकोत्तर तथा वनस्पति विज्ञान में एम. फिल की डिग्री हासिल करने के साथ ही उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ वेल्स, यूनाइटेड किंगडम से 'जेंडर, पार्टिसिपेशन एंड कम्युनिटी फॉरिस्ट्री' 'द केस ऑफ जॉइंट फॉरेस्ट मैनेजमेंट इन मध्य प्रदेश' जैसे विषयों पर पीएचडी की



एफआरआई के इतिहास में दूसरी महिला निदेशक, एमपी कैडर की वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी हैं

है। नवनियुक्त निदेशक डॉ. रेनू सिंह को वन नीति, वन प्रबंधन और अनुसंधान के मुद्दों में व्यापक अनुभव है। मध्य प्रदेश वन विभाग में काम करते हुए ग्रामीण समुदायों को समाहित करते हुए संयुक्त वन प्रबंधन प्रथाओं को लागू करने और जंगल से उनकी आजीविका संबंधी जरूरतों को पूरा करने का व्यापक अनुभव है। उल्लेखनीय पहलू यह है कि नवनियुक्त निदेशक डॉ. रेनू सिंह, डॉ. सविता के बाद दूसरी नियमित महिला निदेशक हैं। कार्यभार सौंपने के साथ ही आईसीएफआरआई के महानिदेशक अरुण सिंह रावत ने उन्हें एफआरआई की प्रमुख गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा की।

# The Himachal Times

## 29-3-2022

### Dr. Renu Singh, IFS joins as Director FRI



**Dehradun, March 28 (HTNS):** Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India, New Delhi has appointed Dr. Renu Singh as Director of the premier Forest Research Institute, Dehradun. Dr. Renu Singh is an officer of Indian Forest Service of 1990 batch belonging to Madhya Pradesh cadre. She has joined as Director, FRI on Monday. Until

now, A. S. Rawat, Director General, ICFRE was holding additional Charge of Director, FRI as well.

She is well read and has a bouquet of higher educational qualification to her credit. She holds M.Sc. Degree in Botany and Forestry as well as M. Phil in Botany from Meerut University, Meerut. She was awarded Ph. D. on "Gender, Participation and community forest-

ry: The case of joint forest management in Madhya Pradesh" by the University of Wales, United Kingdom.

Before joining FRI as Director, she was working as Additional Managing Director of Madhya Pradesh Forest Development Corporation at Bhopal and has wide experience of working in various capacities in Government of Madhya Pradesh.

The FRI will be enriched with her experience in formulation, execution and implementation of the forestry research work in national interest.

It is a matter of pride for FRI that Dr. Renu Singh has taken over as second regular women Director, first being Dr. Savita. During handing over charge of Director FRI, A. S. Rawat, IFS, Director General, ICFRE welcomed Dr. Renu Singh and briefed about major activities of FRI. Thereafter, Dr. Renu Singh had detailed discussions with various Head of Divisions of FRI and Registrar, FRI Deemed University. Additionally Forest Scientists' Association (FoSA) under the Chairmanship of Dr. Ashok Kumar, Scientist G also welcomed Dr. Renu Singh and expressed full support to Dr. Renu Singh.

# Times of India

## 29-3-2022

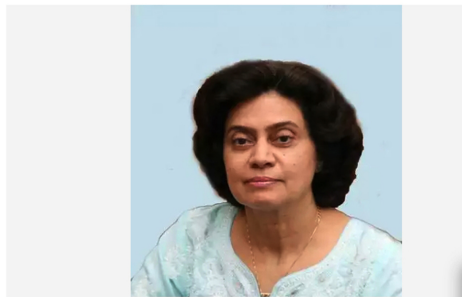
☰ THE TIMES OF INDIA

OPEN APP

CITY

### IFS officer Renu Singh appointed FRI director

Shivani Azad / TNN / Mar 29, 2022, 04:25 IST



Dehradun: Dr Renu Singh has been appointed by MoEF as the next director of Forest Research Institute (FRI) in [Dehradun](#). She will be the institute's second woman director.

An officer of Indian Forest Service of 1990 batch of Madhya Pradesh cadre, Singh joined as FRI director after AS Rawat, director general, ICFRE, handed over his additional charge of director FRI to her on Monday.



# Uttar Bharat Live

## 29-3-2022

### रेणु सिंह ने निदेशक वन अनुसंधान संस्थान का पदभार संभाला

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो  
uttarbharatlive.com

देहरादून। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली ने डॉ. रेणु सिंह ने सोमवार को वन अनुसंधान संस्थान देहरादून के निदेशक के पद पर नियुक्त किया है।

डॉ. रेणु सिंह 1990 बैच की भारतीय वन सेवा की मध्य प्रदेश कैडर की अधिकारी हैं। उनसे पहले, एएस रावत, महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के पास निदेशक, एफआरआई का भी अतिरिक्त प्रभार था। वे विदुषी महिला होने के साथ ही उन्हें अनेक उच्च शैक्षणिक योग्यताएं



प्राप्त हैं। उन्होंने मेरठ विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान

और वानिकी में स्नातोकोत्तर तथा वनस्पति विज्ञान में एम. फिल उपाधि प्राप्त की है।

उन्हें यूनिवर्सिटी ऑफ वेल्स, यूनाइटेड किंगडम द्वारा पार्टि सपेशन एंड कम्युनिटी फॉरेस्ट्री द केस ऑफ जॉइंट फारेस्ट मैनेजमेंट इन मध्य प्रदेश शीर्षक शोध पर पीएचडी से सम्मानित किया गया था। निदेशक एफआरआई के रूप में कार्यग्रहण करने से पहले, डॉ. रेणु सिंह भोपाल में मध्य प्रदेश वन विकास निगम के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत थीं तथा उन्हें मध्य प्रदेश सरकार के अंतर्गत विभिन्न क्षमताओं में काम करने का व्यापक अनुभव है।

विज्ञान

भारत सरकार ने उचित



# Dainik Jagran

## 29-3-2022

### डा. रेनू सिंह बनीं वन अनुसंधान संस्थान की नई निदेशक

जागरण संवाददाता, देहरादून: वर्ष 1990 बैच की आइएफएस अधिकारी डा. रेनू सिंह वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) की नई निदेशक बनीं हैं। अब तक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आइसीएफआई) के महानिदेशक एएस रावत निदेशक पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे थे।

मध्य प्रदेश कैडर की आइएफएस अधिकारी डा. रेनू सिंह ने मेरठ विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान में स्नातकोत्तर व एमफिल की उपाधि प्राप्त की है। साथ ही उन्हें यूनिवर्सिटी आफ वेल्स युनाइटेड किंगडम की ओर से जेंडर पार्टिसिपेशन एंड कम्युनिटी फॉरेस्ट्री: द केस आफ ज्वाइंट फॉरेस्ट मैनेजमेंट इन मध्य प्रदेश नामक शोध में पीएचडी की उपाधि भी प्राप्त है। इससे पहले डा. रेनू मध्य प्रदेश वन विकास निगम में अतिरिक्त प्रबंध निदेशक पद पर तैनात थीं। उन्हें वन नीति, वन प्रबंधन व अनुसंधान के मुद्दों पर व्यापक अनुभव प्राप्त है। डा. रेनू सिंह ने निदेशक पद पर कार्यभार ग्रहण करने



वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक बनीं डा. रेनू सिंह • जागरण

#### जिम्मेदारी

- वर्ष 1990 बैच की आइएफएस अधिकारी हैं डा. रेनू सिंह
- वन नीति, वन प्रबंधन व अनुसंधान के मुद्दों पर है व्यापक अनुभव

के बाद सोमवार को वन अनुसंधान संस्थान के विभिन्न प्रभागों के प्रमुखों के साथ बैठक की और कार्यों का अपडेट लिया।

देहरादून की और भी खबरें पढ़ें  
[www.jagran.com](http://www.jagran.com)

# Dainik Hawk

## 29-3-2022

### डॉ रेणु सिंह ने निदेशक वन अनुसंधान संस्थान दून का पद संभाला

संवाददाता

देहरादून। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार ने नई दिल्ली ने दिनांक 28 मार्च 2022 को डॉ रेणु सिंह को वन अनुसंधान संस्थान देहरादून के निदेशक के पद पर नियुक्त किया है। डॉणू रेणू सिंह 1990 वैच की भारतीय वन सेवा की मध्य प्रदेश कैडर की अधिकारी हैं। उनसे पहले श्री एस रावत, महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के पास निदेशक एफआरआई का भी अतिरिक्त प्रभार था।

वे विदुषी महिला होने के साथ ही उन्हें अनेक उच्च शैक्षणिक योग्यताएँ प्राप्त हैं। उन्होंने मेरठ विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान और वानिकी में स्नातोकोत्तर तथा वनस्पति विज्ञान में एम फिल उपाधि प्राप्त की हैं। उन्हें यूनिवर्सिटी ऑफ वेल्स ए यूनाइटेड किंगडम द्वारा प्जे-डर ए पार्टिसिपेशन एंड कम्युनिटी



फॉरस्ट्री रू द केस ऑफ जॉइंट फा-रेस्ट मैनेजमेंट इन मध्य प्रदेश शीर्षक शोध पर पीएचडी से सम्मानित किया गया था। निदेशक एफआरआई के रूप में कार्यग्रहण

करने से पहले डॉणू रेणू सिंह जी भोपाल में मध्य प्रदेश वन विकास निगम के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत थीं तथा उन्हें मध्य प्रदेश सरकार के अंतर्गत

विभिन्न क्षमताओं में काम करने का व्यापक अनुभव है। डॉ रेणू सिंह को वन नीति वन प्रबंधन और अनुसंधान के मुद्दों में व्यापक अनुभव है। वानिकी क्षेत्र में लिंग और विकास ए जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन मुद्दों में उनकी विशेष रुचि है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज कन्वेंशन ऑन बायोलॉजिकल डायवर्सिटी और यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन टू कॉन्सर्व डेजर्टिफिकेशन जैसे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में विभिन्न जैव विविधता वन और जलवायु परिवर्तन से संबंधित विषयों में भाग लिया और उनका प्रतिनिधित्व किया। एक फील्ड प्रैक्टिशनर के रूप में ए उन्हें मध्य प्रदेश वन विभाग में काम करते हुए ग्रामीण समुदायों को समाहित करते हुए संयुक्त वन प्रबंधन प्रथाओं को लागू करने और जंगल से उनकी आजीविका संबंधी जरूरतों को पूरा करने का व्यापक अनुभव है।

# Rashtriya Sahara

## 29-3-2022

### डा. रेणु सिंह बनी एफआरआई की निदेशक

1990 बैच की मध्य प्रदेश कैडर की भारतीय वन सेवा अधिकारी ने संभाला पदभार

■ सहारा न्यूज ब्यूरो  
देहरादून।

डा. रेणु सिंह वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) की नई निदेशक बनी हैं। वह 1990 बैच की मध्य प्रदेश कैडर की भारतीय वन सेवा अधिकारी हैं। सोमवार को उन्होंने पदभार संभाला।

डा. सविता के बाद डा. रेणु दूसरी महिला हैं जो कि इस प्रतिष्ठित संस्थान की निदेशक बनी हैं। अभी तक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक अरुण सिंह रावत के पास निदेशक का अतिरिक्त प्रभार था। आईसीएफआरआई के महानिदेशक ने डा. रेणु सिंह का स्वागत कर उन्हें पदभार सौंपा।

मेरठ विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान व वानिकी में स्नातकोत्तर और उसके बाद वनस्पति विज्ञान में एमफिल की उपाधि प्राप्त करने वाली डा. रेणु को वानिकी प्रबंधन व अनुसंधान में लंबा अनुभव है। उन्हें यूनिवर्सिटी ऑफ वेल्स द्वारा पार्टिसिपेशन एंड कम्युनिटी फारेस्ट्री में पीएचडी की डिग्री भी मिली। अभी तक वह भोपाल में मध्य प्रदेश

डा. सविता के बाद दूसरी महिला निदेशक, वानिकी प्रबंधन में लंबा अनुभव

अभी तक आईसीएफआरआई के महानिदेशक के पास था निदेशक का अतिरिक्त प्रभार

जंगल से उनकी आजीविका संबंधी जरूरतों को पूरा करने का है व्यापक अनुभव

वन विकास निगम की अतिरिक्त प्रबंध निदेशक के पद पर तैनात थी।

संयुक्त राष्ट्र फेमवर्क कंवेशन ऑन क्लाइमेट चेंज, कंवेशन ऑन बायोलॉजिकल डायवर्सिटी और यूनाइटेड नेशन कंवेशन टू काम्पेट डेजर्टिफिकेशन जैसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में जैव विविधता, वन व जलवायु परिवर्तन से संबंधित विषयों में प्रतिनिधित्व भी उन्होंने किया है।

एक फील्ड प्रैक्टिशनर के रूप में उन्हें मग्न वन विभाग में काम करते हुए ग्रामीण



एफआरआई की निदेशक डा. रेणु सिंह।

समुदायों को समाहित करते हुए संयुक्त वन प्रबंधन प्रथाओं को लागू करने और जंगल से उनकी आजीविका संबंधी जरूरतों को पूरा करने का व्यापक अनुभव है।

वतौर निदेशक एफआरआई में पदभार संभालने के बाद संस्थान के कुल सचिव वन वैज्ञानिकों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया।



Hindustan

29-3-2022

## डॉ. रेणु एफआरआई की नई निदेशक बनीं



देहरादून। डॉ. रेणु सिंह वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) की नई निदेशक बनीं। वे मध्य प्रदेश कैडर की 1990 बैच की आईएफएस हैं। सोमवार को उन्होंने

पदभार ग्रहण भी कर लिया।

अब तक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के निदेशक अरुण सिंह रावत यह चार्ज देख रहे थे। डॉ. रेणु ने मेरठ विवि से वनस्पति विज्ञान और वानिकी में स्नातकोत्तर एवं वनस्पति विज्ञान में एमफिल किया। उन्हें यूनिवर्सिटी ऑफ वेल्स, यूनाइटेड किंगडम जेंडर, पार्टिसिपेशन एंड कम्युनिटी फॉरेस्ट्री : द केस ऑफ जॉइंट फॉरेस्ट मैनेजमेंट इन मध्य प्रदेश शीर्षक शोध पर पीएचडी मिली थी। इससे पहले डॉ. रेणु भोपाल में मध्य प्रदेश वन विकास निगम के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत थीं। आईसीएफआरआई के महानिदेशक अरुण सिंह ने उन्हें चार्ज सौंप दिया।

# The Hawk

## 29-3-2022

### Dr Renu Singh, IFS Joins As Director, Forest Research Institute, Dehradun

**Dehradun (The Hawk):** Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India, New Delhi has appointed Dr. Renu Singh as Director of the premier Forest Research Institute, Dehradun. Dr. Renu Singh is an officer of Indian Forest Service of 1990 batch belonging to Madhya Pradesh cadre. She has joined as Director, FRI today 28th March, 2022. Until now, Shri A. S. Rawat, Director General, ICFRE was holding additional Charge of Director, FRI as well.

She is well read and has a bouquet of higher educational qualification to her credit. She holds M.Sc. Degree in Botany and Forestry as well as M. Phil in Botany from Meerut University, Meerut. She was awarded Ph. D. on "Gender, Participation and community forestry: The case of joint forest management in Madhya Pradesh" by the University of Wales, United Kingdom. Before joining FRI as Director, she was working as Additional Managing Director of



Madhya Pradesh Forest Development Corporation at Bhopal and has wide experience of working in various capacities in Government of Madhya Pradesh.

Dr Renu Singh has an extensive experience in Forest Policy, Forest Management and Research Issues. She has special interest in gender and development, climate change adaptation and mitigation issues in the forestry sector. She has

participated and represented various biodiversity, forest and climate change related issues in international conventions like United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCCC), Convention on Biological Diversity (CBD) and United Nations Convention to Combat Desertification (UNCCD). As a field practitioner, she has vast experience of implementing Joint forest

management practices involving rural communities and addressing their livelihood related needs from forest while working in Madhya Pradesh Forest Department.

The FRI will be enriched with her experience in formulation, execution and implementation of the forestry research work in national interest. It is a matter of pride for FRI that Dr. Renu Singh has taken over as second regular women Director, first being Dr. Savita.

During handing over charge of Director FRI, Shri A. S. Rawat, IFS, Director General, ICFRE welcomed Dr. Renu Singh and briefed about major activities of FRI. Thereafter, Dr. Renu Singh had detailed discussions with various Head of Divisions of FRI and Registrar, FRI Deemed University. Additionally Forest Scientists' Association (FoSA) under the Chairmanship of Dr. Ashok Kumar, Scientist G also welcomed Dr. Renu Singh and expressed full support to Dr. Renu Singh.



## डॉ. रेनू सिंह ने संभाला एफआरआई के निदेशक का पद

शाह टाइम्स संवाददाता  
देहरादून। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने सोमवार को डॉ. रेनू सिंह को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के निदेशक के पद पर नियुक्त किया है। डॉ. रेनू सिंह 1990 बैच की भारतीय वन सेवा की मध्य प्रदेश कैडर की अधिकारी हैं। उनसे पहले, ए.एस. रावत, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के पास निदेशक, एफआरआई का भी अतिरिक्त प्रभार था।

डॉ. रेनू सिंह विदुषी महिला होने के साथ ही उन्हें अनेक उच्च शैक्षणिक योग्यताएँ प्राप्त हैं। उन्होंने मेरठ विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान और वानिकी में स्नातोकोत्तर तथा वनस्पति विज्ञान में एम. फिल उपाधि प्राप्त की हैं। उन्हें यूनिवर्सिटी

डी 1



■ 1990 बैच भारतीय वन सेवा मध्य प्रदेश कैडर की हैं अधिकारी

ऑफ वेल्स, यूनाइटेड किंगडम द्वारा जेंडर, पार्टिसिपेशन एंड कम्युनिटी फॉरिस्ट्री : द केस ऑफ जॉइंट फारेस्ट मैनेजमेंट इन मध्य प्रदेश शीर्षक शोध पर पीएचडी से सम्मानित किया गया था। निदेशक एफआरआई के रूप में कार्यग्रहण करने से पहले, डॉ. रेनू सिंह भोपाल में मध्य प्रदेश वन विकास निगम के अतिरिक्त प्रबंध

निदेशक के रूप में कार्यरत थीं तथा उन्हें मध्य प्रदेश सरकार के तहत विभिन्न क्षमताओं में काम करने का व्यापक अनुभव है।

निदेशक, एफआरआई का कार्यभार सौंपने के दौरान एएस रावत, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ. शि.प. ने डॉ. रेनू सिंह का स्वागत किया और एफआरआई की प्रमुख गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा की। उसके बाद डॉ. रेनू सिंह ने विभिन्न प्रभागों के प्रमुखों एवं कुलसचिव, एफआरआई सम विश्व. विद्यालय से विस्तृत चर्चा की। डॉ. अशोक कुमार, वैज्ञानिक-जी की अध्यक्षता में वन एचयू वैज्ञानिक संघ ने भी डॉ. रेनू सिंह का स्वागत किया और उन्हें पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन किया। संस्थान के लिए यह गर्व की बात है कि डॉ. रेनू सिंह, डॉ. सविता के बाद दूसरी नियमित महिला निदेशक हैं।